

>

Title : Need to save river Aami in Uttar Pradesh from pollution caused by industrial effluents.

**योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर):** जल जीवन का आधार है। भौतिक विकास के अंधानुकरण ने आज जीवन के प्रमुख आधार "जल प्रदूषण" की शीघ्रण समस्या पैदा की है। शीघ्रण जल प्रदूषण के कारण जीव और जगत दोनों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। देश की मां तुल्य प्रमुख पवित्र नदियों गंगा, यमुना आदि बड़ी नदियां हो अथवा उनसे जुड़ी साहायक नदियां सभी को अनियोजित एवं अवैज्ञानिक विकास की सूचे ने पूरी तरह प्रदूषित कर दिया है। गोरखपुर जनपद के बीच से बहने वाली और गासी नदी की साहायक नदी आमी पिछले कई वर्षों से इस अभिशाप से अभिशप्त है। कभी आमी नदी के तटवर्ती गांवों में पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रमुख खेती के साथ साथ पशुधन पलता था। मछुआरों की आय का भी प्रमुख साधन आमी नदी थी, लेकिन पहले खलीलाबाद की कथित औद्योगिक इकाईयों द्वारा इस नदी को प्रदूषित किया गया जो अब भी जारी है, इसके साथ वर्तमान में गोडा और लधौती में स्थित औद्योगिक इकाईयों का कचरा भी इसी नदी में गिराए जाने के कारण इस नदी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। इस नदी के तटवर्ती गांवों में पशुधन, खेती, मछली पालन सब जल-प्रदूषण की भेंट चढ़ गए हैं। यह नदी वर्तमान में भयंकर प्रदूषण के कारण पूरी तरह बदबू कर रही है। गासी नदी में मिलने पर कई किलोमीटर तक इस नदी के कारण बड़ी संख्या में मछलियां मर गई हैं। स्थानीय स्तर पर इस भयंकर प्रदूषण के खिलाफ आंदोलन चल रहा है।

कृपया आमी बताओं मंच के अभियान को देखते हुए व्यापक हित में आमी नदी को प्रदूषण से मुक्त किया जाए।